राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 19 | मुंबई : बुधवार 11 मार्च 2026 से 17 मार्च 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश में कितना महंगा हो गया डीजल-पेट्रोल, भारत से कितनी ज्यादा कीमत चुका रहे लोग

वाशिंगटन : भारत के पड़ोसी देशों में पेट्रोलियम की कीमतें और सप्लाई का हाल काफी तनावपूर्ण है. ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध की वजह से होर्मुज स्ट्रेट प्रभावित होने से ग्लोबल ऑयल और गैस की सप्लाई बाधित हुई है, जिसका सीधा असर पड़ोसी देशों पर पड़ रहा है.

भारत के पड़ोसी देशों में पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, भूटान और मालदीव जैसे देश शामिल हैं.

पाकिस्तान में रॉकेट बनीं पेट्रोल-डीजल की कीमतें पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बहुत तेजी से बढ़ी हैं. डॉन न्यूज के मुताबिक, 7 मार्च 2026 से सरकार ने पेट्रोल को 321.17 प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल को 335.86 प्रति लीटर कर दिया. ये 55 प्रति लीटर की बड़ी बढ़ोतरी

है, जो करीब 20% ऊपर है. इसकी वजह बताई गई है मिडिल ईस्ट में युद्ध से तेल की कीमतों का बढ़ना. कराची, इस्लामाबाद और लाहौर जैसे सभी छोटे-बड़े शहरों में आम लोग पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें लगा रहे हैं. ट्रांसपोर्ट कॉस्ट बढ़ने से महंगाई पर असर पड़ रहा है. पाकिस्तान ने इसे 14 देशों में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी बताया है. पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार रात राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका-इजरायल के ईरान पर युद्ध से ग्लोबल ऑयल क्राइसिस पैदा हो गई है, जिसके चलते सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं. इनमें सभी सरकारी दफ्तरों को चार दिन काम करने का नियम लागू करना शामिल है, यानी सोमवार से गुरुवार तक. शुक्रवार को अतिरिक्त छुट्टी मिलेगी, लेकिन ये बैंक पर लागू नहीं होगा. चीन में तेल के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसका सीधा असर पेट्रोल और डीजल पर पड़ रहा है. नेशनल डेवलपमेंट एंड रिफॉर्म कमीशन ने 9 मार्च 2026 को रिटेल फ्यूल प्राइस कैप में सबसे बड़ी बढ़ोतरी की है, जो मार्च 2022 के बाद सबसे ज्यादा है.

होटल मालिकों ने गंभीर गैस संकट के बीच सरकार से तत्काल मदद मांगी...

मुंबई : मुंबई के होटल मालिकों ने एलपीजी सिलेंडर की भारी कमी के बारे में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय और राज्य के सिविल सप्लाई डिपार्टमेंट को एक एसओएस भेजा है। एसोसिएशन ऑफ होटल्स एंड रेस्टोरेंट्स के प्रेसिडेंट विजय शेट्टी ने मंगलवार को एफपीजे को बताया कि ''फ्यूल की कमी की वजह से मुंबई के 20% होटल पहले ही बंद हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों में 60% और बंद हो जाएंगे। ईरान में युद्ध की वजह से पैदा हुआ संकट अब हम पर असर डाल रहा है।''

शेट्टी ने कहा कि एलपीजी सिलेंडर का एक फलता-फूलता ब्लैक मार्केट सामने आया है। ''1,600 रुपये का एक कमर्शियल सिलेंडर अब 3,000 रुपये में बेचा जा रहा है।'' शेट्टी की लीडरशिप में अहार का एक डेलीगेशन मंगलवार को सिविल सप्लाई मिनिस्टर छगन भुजबल से मिलकर इस गंभीर स्थिति पर चर्चा कर सकता है। इंडियन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन, जो मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में कई जगहों को रिप्रेजेंट करता है, ने हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए खतरे वाले संभावित एनर्जी संकट पर केंद्र सरकार के सामने तुरंत चिंता जताई है। पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय को लिखे एक फॉर्मल लेटर में, अहार के प्रेसिडेंट विजय के. शेट्टी ने जोर देकर कहा कि इंडस्ट्री पीएनजी सप्लाई में थोड़ी कमी झेल सकती है, लेकिन पूरी तरह से रुक जाना बहुत बुरा होगा, जिससे बिजनेस और उन पर निर्भर लाखों वर्कर दोनों पर असर पड़ेगा। एसोसिएशन ने जोर देकर कहा कि सेक्टर सप्लाई में 25 परसेंट तक की कमी झेल सकता है, लेकिन इससे ज्यादा कोई भी कटौती बहुत बुरी होगी, जिससे होटलों और रेस्टोरेंट के लिए काम जारी रखना 'लगभग नामुमकिन'हो जाएगा।

मुंबई: माहीम पुलिस ने जारी की वांटेड अपराधियों की सूची...

सूचना देने पर तुरंत पुलिस को करें कॉल

मुंबई: मुंबई के माहीम पुलिस स्टेशन ने विभिन्न गंभीर आपराधिक मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की सूची जारी की है। पुलिस के अनुसार ये आरोपी अदालत में सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं हो रहे हैं, जिसके कारण इनके खिलाफ कार्रवाई जारी है। माहीम पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी को इन आरोपियों के बारे में कोई जानकारी मिले या वे कहीं दिखाई दें, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

इन मामलों में आरोपी फरार

पुलिस के अनुसार गुन्हा नंबर 135/1991 के तहत IPC की धारा 392, 394 और 397 में दर्ज मामले का आरोपी सुरज रामनागिन यादव (निवासीः बांद्रा ब्रिज के नीचे, लालमट्टी, बांद्रा पश्चिम, मुंबई) अदालत में सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हो रहा है। इसी तरह गुन्हा रजिस्टर नंबर 185/1991 में दर्ज मामले में वेंकटेश राजेश वडारी (निवासीः माहीम रेतीबंदर कटाळा फुटपाथ, माहीम, मुंबई-16) भी लंबे समय से फरार है और अदालत में पेश नहीं हो रहा है।

नालासोपारा : कबाड़ गोदामों में भीषण आग लगने से प्लास्टिक और जूते-चप्पल का स्टॉक जलकर खाक

नालासोपारा : नालासोपारा ईस्ट के धनिव बाग इलाके में भीषण आग लग गई, जिसमें तीन से चार गोदाम जलकर खाक हो गए। घटना के बारे में यह घटना धनिव बाग झील के सामने ''भांगर गली'' (स्क्रैप लेन) में सुबह करीब 4:20 बजे हुई। स्क्रैप, प्लास्टिक और रबर के जूतों जैसे बहुत ज्यादा ज्वलनशील सामान होने की वजह से आग तेजी से भड़क गई। देखने वालों ने बताया कि आग की लपटें और काले धुएं के घने बादल

काफी दूर से दिखाई दे रहे थे, जिससे आस-पास के लोगों में घबराहट फैल गई। आग इतनी तेज थी कि आस-पास की इमारतों पर भी इसका असर पड़ने लगा। अलर्ट मिलने पर, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फायर डिपार्टमेंट ने 3 फायर इंजन, 4 पानी के टैंकर भेजे। फायरफाइटर्स को साइट तक जाने वाली तंग गलियों की वजह से शुरू में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जिससे भारी सामान को निकालना मुश्किल हो गया। हालांकि, घंटों की कड़ी मेहनत के बाद, टीम ने आग पर काबू पा लिया। फायर अधिकारियों के मुताबिक, अभी कूलिंग ऑपरेशन चल रहे हैं ताकि यह पक्का हो सके कि आग दोबारा न लगे। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है और इसकी जांच चल रही है, लेकिन इसका फाइनेंशियल असर काफी बड़ा है।

13 साल की मानसिक रूप से कमजोर लड़की से छेड़छाड़ ; केस दर्ज

ठाणे : जिले में पुलिस ने एक आदमी के खिलाफ 13 साल की मानसिक रूप से कमजोर लड़की से छेड़छाड़ करने का केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने मंगलवार, 10 मार्च को यह जानकारी दी। यह घटना पिछले साल 12 दिसंबर को भिवंडी इलाके में हुई थी, लेकिन पीड़िता की मां ने 8 मार्च को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और अपराध की रिपोर्ट करने में देरी का कारण नहीं बताया। कोंगों पुलिस स्टेशन के एक

अधिकारी ने बताया कि पीड़िता और उसकी बहन एक रिश्तेदार के घर गई थीं, जहां आरोपी को लड़की की दिमागी कमजोरी के बारे में पता था, और उसने कथित तौर पर उसे गलत तरीके से छुआ।

नवी मुंबई: शादी का वादा, फिर शारीरिक संबंध और रेप केस- मुंबई में सरकारी कर्मचारी से 43 लाख की ठगी !

नवी मुंबई: ऑनलाइन जीवनसाथी तलाशने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मैट्रिमोनियल वेबसाइटें अब धोखाधड़ी का नया अड्डा बनती जा रही हैं। महाराष्ट्र के नवी मुंबई शहर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक 43 वर्षीय सरकारी कर्मचारी को शादी का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी का शिकार बनाया गया।

झूठे रेप केस की धमकी

पुलिस के अनुसार, पीड़ित की मुलाकात एक महिला से मेट्रिमोनियल वेबसाइट पर हुई थी। शुरूआत में दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और धीरे-धीरे भरोसे का रिश्ता बन गया। इस दौरान उनके बीच कथित तौर पर शारीरिक संबंध भी बने। इसके बाद महिला ने शख्स को झूठे बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगने शुरू कर दिए। डर के कारण पीड़ित ने कर्ज लिया, अपनी बहन के गहने गिरवी रखे और नकद व ऑनलाइन ट्रांसफर के जरिए कुल 42.87 लाख रुपये दे दिए।

लगातार बढ़ते मानसिक तनाव के बाद आखिरकार पीड़ित ने पुणे के भारती विद्यापीठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है।

पुणे-पिंपरी चिंचवड़ में बढ़ रहा साइबर ठगी का जाल

मिली जानकारी के अनुसार पुणे शहर और पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में इस तरह की ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले छह महीनों सितंबर 2025 से फरवरी 2026 के आंकड़ों पर नजर डालें तो यहां 30 से 35 बड़े मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में ठगी की रकम कुछ लाख रुपये से लेकर करोड़ों रुपये तक बताई जा रही है। साइबर अपराधी फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को फंसाते हैं और उन्हें आर्थिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करते हैं।

कभी ठफ्कतो कभी डॉक्टर बनकर करते हैं ठगी

मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स साइबर अपराधी आमतौर पर खुद को एनआरआई, डॉक्टर, इंजीनियर या कंपनी के सीईओ आदि बताकर नकली प्रोफाइल बनाते हैं। वे पहले पीड़ित से बातचीत कर भावनात्मक रिश्ता मजबूत करते हैं और भरोसा जीतते हैं। इसके बाद महंगे गिफ्ट भेजने का झांसा देकर कस्टम ड्यूटी या अन्य शुल्क के नाम पर पैसे मांगते हैं। कुछ मामलों में अपराधी डिजिटल अरेस्ट, ब्लैकमेल या झूठे केस की धमकी देकर भी पीड़ितों से लाखों-करोड़ों रुपये वसूलते हैं।

पालघर : प्रस्तावित मुरबे मल्टी-कार्गो पोर्ट प्रोजेक्ट के खिलाफ लड़ाई...

पालघर : महायुति सरकार द्वारा पालघर तट पर प्रस्तावित मुरबे मल्टी-कार्गो पोर्ट प्रोजेक्ट के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे मछुआरों को आखिरकार सफलता मिलती नजर आ रही है। केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से जुड़ी विशेषज्ञ मूल्यांकन (ईएसी) समिति के सदस्यों ने हाल ही में आयोजित अपने ४३६वीं बैठक में इस परियोजना की व्यवहार्यता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ८ मार्च २०२६ को पेश अपनी रिपोर्ट में ईएसी ने तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन के विनाशकारी खतरे से सुरक्षा, कोस्टल जोन सुरक्षा (शोरलाइन इरोजन) और स्थानीय मछुआरों की पारंपरिक आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव सहित २० गंभीर त्रुटियों की पहचान कर संबंधित यंत्रणा से अतिरिक्त विवरण मांगा है। यह जानकारी 'अखिल महाराष्ट्र मच्छीमार कृति समिति' प्रणित मुर्बे-जिंदाल पोर्ट विरोधी संघर्ष समिति ने दी।

सूत्रों के अनुसार, फिलहाल इस प्रस्ताव को रोक दिया गया है। अखिल महाराष्ट्र मच्छिमार कृति समिति के अध्यक्ष देवेंद्र दामोदर तांडेल के अनुसार, ईएसी ने परियोजना के प्रमोटर से यह सवाल किया है कि इतने संवेदनशील क्षेत्र में परियोजना के जोखिम का आकलन करने के लिए वैज्ञानिक मानदंडों का पालन क्यों नहीं किया गया? टंडेल ने कंपनी द्वारा २०१४ के पुराने नक्शों का उपयोग करके संरक्षित मैंग्रोव्ज वनों को कागजों से गायब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब परियोजना का मुख्य आधार यानी सीआरजेड के नक्शे ही खाली और १० वर्ष पुरानी जानकारी पर आधारित हैं, तो जन सुनवाई वैष्ठसे वैध हो सकती है? ये सरासर धोखाधड़ी का मामला है।

इस संबंध में मछुआरा समिति ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) से संपर्क कर सबूतों के साथ शिकायत दर्ज कराई है। मछुआरों की मानें तो कंपनी के पास न तो जल योजना है और न ही बिजली के लिए आधिकारिक अनापत्ति प्रमाण पत्र। ऐसे में आखिर किसके दबाव में आकर प्रशासनिक तंत्र इस परियोजना को लोगों पर थोपने हेतु आमादा है। मछुआरा समिति के पालघर जिला अध्यक्ष विनोद पाटील ने चेतावनी देते हुए कहा कि पालघर जिले के मछुआरे इस भ्रष्ट प्रशासन के खिलाफ गली से लेकर दिल्ली तक अपनी आवाज बुलंद करेंगे और जब तक यह धोखाधड़ी वाली परियोजना पूरी तरह से रद्द नहीं हो जाती, तब तक वे पीछे नहीं हटेंगे।

मुंबई मेट्रो की 'पिंक पावर'! 27 महिला पायलट दौड़ा रही एक्वा लाइन, 1300 से ज्यादा महिलाओं ने संभाला सिस्टम

मुंबई: मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने आज 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक विशेष पहल की. यह पहल मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) के दो महत्वपूर्ण स्टेशनों मरोल नाका और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर लागू की गई. महिला दिवस के मौके पर आज इन दोनों स्टेशनों की पूरी कमान महिला कर्मचारियों के हाथों में दी गयी.

यात्रियों ने इस पहल की सराहना की

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने बताया कि शहरी परिवहन क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और महिला सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए यह कदम उठाया गया है. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मेट्रो स्टेशन का पूरा प्रबंधन आज महिलाओं के हाथ में था. यात्रियों ने भी स्टेशन के संचालन को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए महिला स्टाफ की जमकर प्रशंसा की.

85 महिला कर्मचारियों ने संभाली कमान

मिली जानकारी के अनुसार, इन दोनों स्टेशनों के दैनिक संचालन में स्टेशन कंट्रोल, टिकटिंग, यात्री सहायता, सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव और हाउसकीपिंग जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां महिलाओं को सौंपी गईं. दिन भर अलग-अलग शिफ्टों में कुल 85 महिला कर्मचारियों ने इन दोनों स्टेशनों का कामकाज संभाला. आम तौर पर यहां पुरुष कर्मचारी दिखाई देते हैं, लेकिन आज बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली.

अवसर देने के लिए प्रशासन का आभार

एक्वा लाइन के संचालन में 27 महिला ट्रेन ऑपरेटर (मेट्रो पायलट) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही थी. वे नियमित रूप से मेट्रो ट्रेनों का संचालन कर रही थीं. मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन में विभिन्न स्तरों पर कुल 1,388 महिला कर्मचारी कार्यरत हैं. इसमें ऑफिस स्टाफ के साथ-साथ ऑपरेशंस, टिकटिंग, हाउसकीपिंग और सुरक्षा सेवाओं में लगी महिलाएं भी शामिल हैं. इस बारे में बात करते हुए, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस मेट्रो स्टेशन की स्टेशन कंट्रोलर मानसी पाटिल ने कहा, ''हमें सौंपी गई जिम्मेदारी से हम बहुत खुश हैं. आज हमें इस बात की बेहद खुशी है कि हम सभी महिला कर्मचारियों ने मिलकर पूरे स्टेशन का कामकाज संभाला.

मुंबई में दुष्कर्म और हत्या का वांछित इटवा से गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में दुष्कर्म और हत्या के मामले में वांछित अख्तर अली उर्फ छोटू को मुंबई पुलिस और गोरखपुर एसटीएफ की टीम ने रविवार को गिरफ्तार किया। इटवा थाना क्षेत्र से में पहुंचकर स्थानीय पुलिस के सहयोग से उसकी गिरफ्तार की गई। आरोपी इटवा थाना क्षेत्र के भावपुर गांव का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, अख्तर अली उर्फ छोटू के विरुद्ध मुंबई में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज थी और वह लंबे समय से पुलिस के चंगुल से दूर था। मुंबई पुलिस ने यूपी पुलिस से सहयोग मांगा। इसके बाद एसटीएफ फील्ड इकाई गोरखपुर, महाराष्ट्र पुलिस और इटवा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की।

मुंबई : शिवसेना की महिला सेना ने 'शिवदुर्गा सम्मान' समारोह का आयोजन किया

मुंबई : छत्रपति शिवाजी महाराज ने अठारह पगड़ जातियों को साथ लेकर स्वराज्य बनाया। बालासाहेब ने भी अठारह पगड़ जातियों को एकजुट किया और जमीनी कार्यकताओं को बड़े पद देकर ताकत दी। बालासाहेब का सपना और सोच शिवसेना आगे बढ़ रही है। शिवसेना का वादा है कि जो कार्यकर्ता अपनी आय बढ़ाने का प्रयास करेंगे, उन्हें बिना मांगे दिया जाएगा, ऐसा शिवसेना के प्रमुख नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा। उपमुख्यमंत्री शिंदे ने डॉ. ज्योति वाघमारे को दिए गए राज्यसभा मनोनयन की कहानी सुनाई। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिवसेना की महिला सेना ने शिव के षणमुखानंद हॉल में 'शिवदुर्गा सम्मान' समारोह का आयोजन किया।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि ज्योति वाघमारे के रूप में लड़की बहिन राज्यसभा जाएगी। जब ठाणे, कल्याण डोंबिवली जैसी जगहों पर आरक्षण नहीं था, तब महिलाओं को मेयर बनाने का फैसला किया गया था। ज्योति वाघमारे के मन में भी यह नहीं था कि वह सांसद बनेंगी। उन्होंने उनसे एक डॉक्यूमेंट तैयार करने को कहा जिसमें लिखा हो कि लड़की बहिन स्कीम के लिए दिल्ली में एक कमेटी बनाई जाए और आखिरी दिन साइन करते समय वाघमारे को एहसास हुआ कि यह राज्यसभा कैंडिडेसी एप्लीकेशन है, डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे ने कहा। शिवसेना आम आदमी की पार्टी है। हमारे पास ऐसे डेडिकेटेड वर्कर हैं जो अपनी पर्सनल इच्छाओं और उम्मीदों, मुद्दों को किनारे रखकर पार्टी को अपना समय देते हैं और अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरी लगन से निभाते हैं, उनका सपोर्ट ही हमारी ताकत है, डिप्टी चीफ मिनिस्टर शिंदे ने कहा।

किराए पर रहना किसी चुनौती से कम नहीं; 1 लाख रुपये किराए वाला फ्लैट

मुंबई : मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है, लेकिन यहां घर लेना या किराए पर रहना किसी चुनौती से कम नहीं होता. शहर में प्रॉपर्टी की कीमतें इतनी ज्यादा हैं कि अक्सर लोग छोटे से फ्लैट के लिए भी भारी किराया चुकाने को मजबूर होते हैं. खासकर साउथ मुंबई और सेंट्रल मुंबई के इलाकों में किराया आम लोगों की पहुंच से काफी दूर माना जाता है. हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किराए के घर का टूर दिखाते नजर आए. इस घर का किराया जान आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी.

मुंबई में 1 लाख रुपये किराए वाला फ्लैट

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आर्या कोठारी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपने किराए के घर का टूर कराते दिखाई दिए. यह फ्लैट मुंबई के पॉश इलाके परेल में स्थित है. वीडियो की शुरूआत में ही उनसे पूछा गया कि वे इस घर के लिए कितना किराया देते हैं. इस पर उन्होंने बताया कि वे हर महीने करीब 1 लाख रुपये किराया देते हैं. दिलचस्प बात यह है कि इस किराए में मेंटेनेंस चार्ज भी शामिल है.

700 स्क्वायर फीट का 2बीएचके फ्लैट

वीडियो में दिखाया गया फ्लैट

करीब 700 स्क्वायर फीट का है. घर में दो बेडरूम, एक लिविंग रूम और बाकी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं. फ्लैट का मास्टर बेडरूम थोड़ा बड़ा बताया गया, जबकि दूसरा कमरा थोड़ा छोटा है. घर का लिविंग रूम काफी साफ-सुथरा और आरामदायक नजर आता है. दोनों रूममेट्स ने बताया कि वे अपना ज्यादातर समय यहीं बिताते हैं. कभी यहां बैठकर बातें करते हैं, तो कभी अपने करियर और भविष्य को लेकर चर्चा करते हैं.

खिड़की से दिखता है प्लेन का शानदार नजारा

फ्लैट के टूर के दौरान उन्होंने खिड़की से दिखने वाला नजारा भी दिखाया. दूर आसमान में प्लेन उड़ते और उतरते नजर आते हैं. दोनों इंजीनियरों ने बताया कि प्लेन को उड़ते और लैंड करते देखना उन्हें बहुत पसंद है. उनका कहना है कि काम के बाद जब वे घर आते हैं तो यह नजारा उन्हें काफी सुकून देता है.

दोनों रूममेट्स हैं सॉफ्टवेयर इंजीनियर

घर में रहने वाले दोनों युवक पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं. उन्होंने बताया कि मुंबई जैसे शहर में काम के बेहतर अवसर मिलते हैं, इसलिए उन्होंने यहां रहने का फैसला किया. हालांकि उन्होंने मजाक में यह भी कहा कि मुंबई में दूरी इतनी ज्यादा है कि रिश्ते निभाना भी मुश्किल हो जाता है. खासकर अगर किसी का पार्टनर शहर के दूसरे इलाके, जैसे बांद्रा में रहता हो तो मिलना-जुलना चुनौती बन सकता है.

यूजर्स बोले, हम अभी भी घर वालों से लेते हैं समोसे के पैसे

वीडियो को आर्या कोठारी नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है जिसे अब तक लाखों लोगों ने देखा है तो वहीं कई लोगों ने वीडियो को लाइक भी किया है. ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स वीडियो को लेकर तरह तरह के रिएक्शन दे रहे हैं. एक यूजर ने लिखा...23 साल की लड़की 1 लाख का रेंट पे कर रही हैं. एक और यूजर ने लिखा...इस उम्र में हम समोसे के पैसे भी घर वालों से लेते हैं. तो वहीं एक और यूजर ने लिखा...कम से कम 3 लाख रुपये तो सैलरी आती ही होगी इनकी.

मुंबई : तेजी से बढ़ रही है आईवीएफ और सरोगेसी केंद्रों की संख्या... सरकारी अनुमति देने की प्रक्रिया ठप!

मुंबई : राज्य में आईवीएफ और सरोगेसी केंद्रों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन इन केंद्रों को सरकारी अनुमति देने की प्रक्रिया ठप पड़ी है। नतीजा यह है कि कई केंद्र बिना आधिकारिक परमिट के ही कृत्रिम गभार्धान से जुड़ी चिकित्सा प्रक्रियाएं चुपचाप चला रहे हैं। यह गंभीर वास्तविकता अब सामने आने लगी है और इससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

सरकार के निदेर्शानुसार, राज्यभर के आईवीएफ केंद्रों ने पंजीकरण या नवीनीकरण के लिए एक से दो लाख रुपए तक का शुल्क जमा किया है। यह शुल्क केंद्रों में उपलब्ध चिकित्सा तकनीक और सुविधाओं के आधार पर लिया गया है। बावजूद इसके अनुमति की फाइलें सरकारी दफ्तरों में ही अटकी हुई हैं। दो साल बीत जाने के बाद भी कई केंद्रों को अधिकृत परमिट नहीं मिल पाया है। इस बीच बदलापुर में सामने आए एग सेल यानी स्त्रीबीज बिक्री कांड ने पूरे तंत्र को झकझोर दिया है। इस मामले में शामिल डॉक्टरों और बिचौलियों पर कार्रवाई के बाद सरकार ने अन्य आईवीएफ केंद्रों की जांच का रुख अपनाया है। सरकार का यह कदम स्वागत योग्य माना जा रहा है, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि पहले सरकार को अपनी ही देरी पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। विशेषज्ञों का सवाल है कि जब केंद्रों ने नियमानुसार आवेदन किया, भारी शुल्क जमा किया और आधुनिक उपकरणों पर करोड़ों रुपए खर्च किए, तो फिर अनुमति देने में इतनी देरी क्यों हो रही है? क्या कृत्रिम गभार्धान से जुड़ी तकनीकों और नियमों की कानूनी जांच अब तक पूरी नहीं हुई है? यह भी एक बड़ा सवाल बनकर सामने आया है।

बदलापुर प्रकरण के बाद यह भी उजागर हुआ कि इस क्षेत्र में दलालों और बिचौलियों का एक नेटवर्क सक्रिय है। ऐसे में यह भी मांग उठ रही है कि मुंबई सहित राज्य के अन्य शहरों में संचालित तथाकथित हाई-प्रोफाइल और सेलिब्रिटी आईवीएफ केंद्रों की भी कड़ी जांच होनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि वहां नियमों का पालन हो रहा है या नहीं।

इसी संदर्भ में 'आईवीएफ पोर्टल' शुरू करने की मांग भी उठी थी। इस पोर्टल के जरिए यह जानकारी दर्ज की जानी थी कि किसी महिला ने कितनी बार अंडाणु दान किया है और उसकी मेडिकल स्थिति क्या है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इतना महत्वपूर्ण पोर्टल आज तक शुरू नहीं हो पाया है। जब अनुमति अटकी है, पोर्टल शुरू नहीं हुआ है और निगरानी का तंत्र अधूरा है, तो आखिर आईवीएफ केंद्रों की यह पूरी व्यवस्था किस भरोसे चल रही है? यही चिंता अब स्वास्थ्य क्षेत्र में जोर पकड़ रही है।

मुंबई : बिना इजाजत पार्किंग करने वाले 10 .8 लाख गाड़ियों के चालान काटे, 36 करोड़ रुपये तक जुमार्ना वसूला

मुंबईः नॉर्थ मुंबई में बिना इजाजत पार्किंग करने वाले 10.8 लाख गाड़ियों के चालान काटे गए। इससे 36 करोड़ रुपये तक का जुमार्ना वसूला गया। यह आंकड़ा जनवरी 2020 से जनवरी 2026 के बीच तक की है। जो मुंबई ट्रैफिक पुलिस डिपार्टमेंट से सूचना के अधिकार के तहत पता चला है। इस जानकारी की मांग एक्टिविस्ट गॉडफ्रे पिमेंटा ने ट्रैफिक पुलिस से की थी। रिपोर्ट में दहिसर, बोरीवली, कांदिवली, समता नगर, डिंडोशी और जोगेश्वरी ट्रैफिक की ओर से एकत्र आंकड़े समाहित हैं।

साइलेंस जोन से संबंधित 4900 चालान

इसके अलावा, आरटीआई रिपोर्ट के मुताबिक, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर गलत दिशा में गाड़ी चलाने के लिए 6888 भारी गाड़ियों के चालान किए गए। पीयूसी नियमों के उल्लंघन के लिए 13800 से अधिक चालान और ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर साइलेंस जोन, स्कूल, हॉस्पिटल इत्यादि के आसपास हॉर्न बजाने के लिए 4900 से अधिक गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ भी चालान काटे गए।

26 हजार से अधिक के चालान कटे

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने गैर-कानूनी तरीके से बस-स्टॉप जाम करने वाली गाड़ियों पर कार्रवाई की और 26 हजार से अधिक चालान काटे। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, यह स्पेशल ड्राइव 23 फरवरी से 8 मार्च के बीच चलाई गई। 10.5 लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया गया। पुलिस ने कहा कि बस-स्टॉप पर खड़ी गाड़ियों की वजह से बस यात्रियों को उतरने या चढ़ने में मुश्किल हुई और न ही बसें तय स्टॉप पर रुक पाईं।

मुंबई : लंदन से मुंबई आ रहे लोगों के लिए जहर बना सफर... एयर स्पेस बंद, फिर पायलट-क्रू के ड्यूटी ऑवर खत्म

मुंबई : लंदन से मुंबई आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ए2 के यात्रियों के लिए सफर उस समय एक बुरे सपने में बदल गया जब विमान को अचानक मिस्त्र की राजधानी काहिरा डायवर्ट करना पड़ा. मध्य पूर्व में जारी भारी तनाव और ऐन वक्त पर एयरस्पेस (हवाई क्षेत्र) बंद होने के कारण यह फैसला लिया गया. हालांकि असली मुसीबत काहिरा उतरने के बाद शुरू हुई जहां छोटे बच्चों और बुजुर्गों समेत सैकड़ों भारतीय यात्री घंटों तक फंसे रहे. जानकारी के अनुसार यह उड़ान 8 मार्च की रात लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट से रवाना हुई थी और इसे 9 मार्च की सुबह मुंबई पहुंचना था. लेकिन मध्य पूर्व में अचानक बढ़ते तनाव और कुछ हवाई क्षेत्रों के बंद होने की वजह से सुरक्षा कारणों से विमान को काहिरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया. अंतिम समय में रूट बदलने के कारण विमान को अतिरिक्त ईंधन और वैकल्पिक मार्ग की आवश्यकता थी.

एफडीटीएल नियम और यात्रियों की बेबसी

विमान के काहिरा पहुंचने के बाद देरी की सबसे बड़ी वजह एफडीटीएल नियम बने. अंतरराष्ट्रीय विमानन नियमों के अनुसार पायलट और केबिन क्रू एक तय सीमा से अधिक लगातार ड्यूटी नहीं कर सकते. काहिरा पहुंचने तक क्रू की ड्यूटी अवधि समाप्त हो चुकी थी. सुरक्षा नियमों के तहत थके हुए क्रू के साथ विमान उड़ान नहीं भर सकता था जिसके कारण विमान को वहीं रुकना पड़ा. यात्रियों की परेशानी इसलिए भी बढ़ गई क्योंकि उनके पास मिस्त्र का वीजा नहीं था जिस वजह से उन्हें एयरपोर्ट परिसर से बाहर जाने की अनुमति नहीं मिली. सोशल मीडिया पर यात्रियों ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया कि काहिरा एयरपोर्ट पर उन्हें बुनियादी सुविधाओं के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ा.

यह घटना दशार्ती है कि मध्य पूर्व का भू-राजनीतिक तनाव केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय विमानन क्षेत्र को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहा है. हवाई मार्ग बंद होने से उड़ानों की दूरी और समय बढ़ रहा है, जिससे पायलटों का ड्यूटी समय जल्दी खत्म हो जाता है. ऐसे में एयरलाइंस के पास उड़ान रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ता है. अब क्रू के रेस्ट के बाद यह फ्लाइट कल भारत के लिए रवाना हो सकेगी.

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बिरादरी से बाहर सरकारी होटल...

कहीं तो शाम ढल गई, किसी सुबह के इंतजार में। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के आठ और होटल अपनी अस्थियां चुन रहे हैं। आखिर निजी हाथों में ही वो करामात है कि ढ़हते पेड़ भी, वसंत बुला लेते हैं। बस रूटों के बाद पर्यटन के रूट पर सरकार को अपने आठ होटल भी निजी क्षेत्र को सौंपने पड़ रहे हैं। बिलासपुर, कसौली, शिमला, परवाणू और चांशल वैली के होटल अगर निजी क्षेत्र को सौंपे जा रहे हैं, तो सैलानियों के महाकुंभ में यह योजनाओं की बबार्दी है। ऐसा नहीं है कि पर्यटन निगम ने अपनी इकाइयों में बढ़ोतरी रोक दी है या असफलता से कुछ सीख लिया है। इससे पहले भी नूरपुर में दो बार पर्यटन के नाम पर सीमेंट-सरिया जाया हुआ, तो कई महत्त्वपूर्ण स्थानों में पूरी कैफे श्रृंखला उजड़ गई। सरकारी संपत्तियां जगह-जगह लावारिस हुईं, तो ऐसे अपव्यय से सीख क्यों न ली गई। आश्चर्य यह कि पर्यटन के प्रबंधन में नई दृष्टि विकसित नहीं हुई। इन सालों में टूरिज्म पूरी तरह बदला है, सैलानी का चरित्र, आचरण, अनुभव और जिज्ञासा पूरी तरह बदल गए। आखिर पर्यटक को होटल तक लाने की प्रक्रिया में एचपीटीडीसी क्यों पिछड़ गया। अब पैकेज का अर्थ यह नहीं कि कितने दिन और रातें इसके साथ नत्थी हैं, बल्कि यह होना चाहिए कि वह अपने साथ कितने सुनहरे क्षण, सुकून और आनंद बटोर कर जा रहा है। पिछले दो दशक के फासलों में पर्यटक ने मंजिलें बदलीं, तो वह एक श्रृंखला का हिस्सा बन गया।

इस दौरान होम स्टे और एकल सैलानी को टूरिस्ट हॉस्टल की दरकार बढ़ गई। जब हिमाचल होम स्टे को प्रोमोट कर रहा था, उस समय सरकारी होटलों की अलग-अलग कैटेगिरी नहीं बनी। घाटे के सरकारी होटलों को होम स्टे के मुकाबले खड़ा किया होता, तो कमाई के रूप में बदल जाते। दूसरा यह कि अगर ऐसी इकाइयों को मनोरंजन, वेलनेस, प्राकृतिक चिकित्सा या विभिन्न पर्यटन गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करते तो पर्यटकों के पड़ाव बदल जाते। हिमाचल अपनी साइट्स की वजह से कई संपत्तियों का सदुपयोग कर सकता है, लेकिन प्रबंधन और योजनाओं ने ऐसा सोचा ही नहीं। पर्यटन निगम के निर्माण विंग के डिजाइन न वास्तुकला के नमूने बने और न ही प्राकृतिक नजारों से समृद्ध हुए। देखा जाए तो किसी रेस्ट हाउस व सरकारी होटल के बीच सिर्फ विभाग और पर्यटन निगम का अंतर है, वरना एक ही वास्तुशैली में दो धाराएं दौड़ रही हैं। होना तो यह चाहिए था कि पर्यटन विकास निगम को पर्यटन एवं रेस्ट हाउस निर्माण कारपोरोशन बना कर, इसके तहत तमाम डाक बंगलों का भी उत्तम संचालन होता। पर्यटन निगम में प्रोफेशनलिजम बढ़ाते हुए व्यावसायिक ढांचा बदलने की जरूरत है। भले ही आठ सरकारी होटल अपनी बिरादरी से बाहर हो रहे हैं, लेकिन आगे चलकर हाई-वे टूरिज्म से नए परिसरों की जरूरत बढ़ेगी।

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

अनोखी पहल के तहत इस वर्ष भी 'पिज्जा रन' का आयोजन

मुंबई : महानगर में स्वास्थ्य और मनोरंजन को एक साथ जोड़ने वाली अनोखी पहल के तहत इस वर्ष भी 'पिज्जा रन' का आयोजन किया जा रहा है। मुंबई के लोकप्रिय रनिंग समूह द ब्रंच क्लब द्वारा 15 मार्च 2026, रविवार को अंधेरी पश्चिम के लोखंडवाला बैक रोड पर (टिम हॉर्टन्स के सामने) 'पिज्जा रन' का छठा संस्करण आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन हर वर्ष गणित के प्रसिद्ध उत्सव पाई डे के उपलक्ष्य में किया जाता है।

पाई डे दुनिया भर में 14 मार्च को मनाया जाता है, जो गणितीय स्थिरांक π (पाई) के शुरूआती अंकों 3.14 का प्रतीक है। इसी अवधारणा को रोचक तरीके से प्रस्तुत करते हुए 'पिज्जा रन' को एक मनोरंजक फिटनेस गतिविधि के रूप में आयोजित किया जाता है, जिसमें दौड़ और स्वादिष्ट भोजन दोनों का आनंद लिया जा सकता है।

रविवार सुबह 7 बजे शुरू होने वाली यह दौड़ कुल 3.14 किलोमीटर की होगी। आयोजन को खास तौर पर परिवारों और बच्चों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, ताकि वे खेल-खेल में फिटनेस के महत्व को समझ सकें। दौड़ की खास बात यह है कि प्रतिभागियों को हर एक किलोमीटर की दूरी पूरी करने पर पिज्जा का एक स्लाइस दिया जाएगा। इस प्रकार पूरी दूरी तय करने पर प्रतिभागियों को कम से कम तीन स्लाइस पिज्जा का स्वाद लेने का अवसर मिलेगा।

इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रति प्रतिभागी 300 रुपये का नाममात्र पंजीकरण शुल्क रखा गया है। आयोजकों का कहना है कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल दौड़ कराना नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना भी है। सुरक्षा और स्वच्छता के लिहाज से भी विशेष प्रबंध किए गए हैं। लगभग एक किलोमीटर के मार्ग पर दस से अधिक स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी, जो प्रतिभागियों की सहायता करेंगे और मार्ग को स्वच्छ बनाए रखने पर नजर रखेंगे। साथ ही धावकों के लिए हाइड्रेशन की पर्याप्त व्यवस्था भी की गई है। आयोजकों के अनुसार स्थानीय पुलिस प्रशासन से कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर ली गई हैं और आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। द ब्रंच क्लब के एक सदस्य ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में 'पिज्जा रन' मुंबई में पाई डे मनाने का एक लोकप्रिय पारिवारिक आयोजन बन चुका है। इस पहल के माध्यम से विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि नियमित व्यायाम, चाहे वह दौड़ना हो या तेज चलना, स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

गंदगी में डुबे मुंबई के शौचालय!

कहीं पानी नहीं, तो कहीं बिजली नदारद... महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी

मुंबई : सार्वजनिक शौचालयों की बदहाल स्थिति को लेकर महायुति सरकार घिरती नजर आ रही है। करोड़ों रुपए के बजट और स्वच्छता के बड़े-बड़े दावों के बावजूद शहर में शौचालयों की भारी कमी और अव्यवस्था ने मुंबईकरों की परेशानी बढ़ा दी है। कई जगह शौचालयों में पानी की व्यवस्था नहीं है तो कहीं बिजली ही नदारद है, जिससे मूलभूत सुविधा भी संकट में पड़ गई है। इस हालात का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाओं को उठाना पड़ रहा है, जबकि झोपड़पट्टी इलाकों में शौचालयों की दुर्दशा और गहरी नजर आ रही है। महंगे बजट के बावजूद बुनियादी व्यवस्था चरमराने से महानगरपालिका और महायुति सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

मुंबई में सार्वजनिक शौचालयों की बदहाल स्थिति को लेकर महायुति सरकार और मुंबई मनपा एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। विधान परिषद में पूछे गए लिखित सवाल ने महानगर की स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी है। आरोप है कि स्वच्छ भारत अभियान के मानकों के बावजूद शहर में शौचालयों की भारी कमी है, जिससे विशेषकर महिलाओं को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मुंबईकरों को झेलनी पड़ रही भारी असुविधा

विधान परिषद में शिवसेना के गुट नेता व सदस्य एड. अनिल परब द्वारा पूछे गए लिखित सवालों में कहा गया कि वर्ष २०१८ से २०२४ के सर्वेक्षण में यह सामने आया कि एक शौचालय का उपयोग औसतन ७५२ पुरुष और १८२० महिलाएं कर रही हैं, जबकि स्वच्छ भारत अभियान के मानकों के अनुसार १०० से ४०० पुरुषों और १०० से २०० महिलाओं के लिए एक शौचालय होना चाहिए। इसके अलावा कई इलाकों में लगभग १५०० पुरुष और ८०० से ९०० महिलाओं के लिए केवल एक शौचालय उपलब्ध होने की बात भी सामने आई है, जिससे मुंबईकरों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

हीट वेव को लेकर मुंबई में अलर्ट...

लोगों को सावधानी की सलाह

मुंबई: मार्च महीने में ही गर्मी ने उग्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सोमवार को मुंबई और आसपास के इलाकों में गर्मी का भीषण असर देखा गया। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें अलग-अलग स्थानों पर हीट वेव और अत्यधि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राजस्थान के ऊपर बने एक 'एंटी-साइक्लोन' के कारण चलने वाली गर्म हवाओं ने कोंकण तट के तापमान को सामान्य से काफी ऊपर पहुंचा दिया है। इससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मार्च महीने की सप्ताह की शुरूआत ही पसीने छुड़ाने वाली गर्मी से हुई है। मुंबई के उपनगरों में पारा 38.9 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया, वहीं ठाणे और नवी मुंबई जैसे इलाकों में तापमान 40 डिग्री के आंकड़े को पार कर गया है। आने वाले दिनों में गर्मी के और प्रचंड होने की आशंका है। अप्रैल और मई की तपिश का अहसास अभी से होने लगा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार जब तक यह सिस्टम अरब सागर की ओर नहीं खिसकता, तब तक गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है। कल्याण-डोंबिवली जैसे दूरदराज के उपनगरों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। चिकित्स्कों के मुताबिक तापमान में इस तरह का उछाल अस्थमा और सांस के मरीजों के लिए घातक हो सकता है. गर्मी से बचने के लिए लोग अक्सर सड़क किनारे मिलने वाले ठंडे पेय और खुले खाद्य पदार्थों जैसे पानी-पुरी या भेल का सहारा लेते हैं, जिससे टाइफाइड, गैस्ट्रोएन्टराइटिस और गले के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। डॉक्टरों ने विशेष रूप से कच्चा सलाद और सड़क किनारे का खाना न खाने की सलाह दी है। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच सीधे धूप में निकलने से बचें. यदि बाहर निकलना जरूरी हो, तो सिर को ढककर रखें और पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस या नींबू पानी पीए।

मुंबई : सड़कों पर फिर दिखेगा नीला समंदर ! जानें कब होगा टीम इंडिया की विक्ट्री परेड का आयोजन

मुंबई : भारत की ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप 2026 की जीत के बाद अब क्रिकेट प्रेमियों को टीम इंडिया की भव्य विक्ट्री परेड का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि बीसीसीआई ने अभी तक आधिकारिक तौर पर शेड्यूल की घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार चैंपियन खिलाड़ियों के लिए एक शानदार रोड शो की तैयारी की जा रही है।

दिल्ली में पीएम मोदी से मिल सकते हैं विश्व विजेता

माना जा रहा है कि टीम इंडिया के खिलाड़ी नई दिल्ली पहुंच सकते हैं। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व विजेताओं की मेजबानी करेंगे और उन्हें सम्मानित करेंगे। प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान खिलाड़ी अपने अनुभव साझा करेंगे और ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाएंगे। दिल्ली में आधिकारिक मुलाकात के बाद, असली जश्न मुंबई की सड़कों पर शिफ्ट होने की संभावना है।

मुंबई के मरीन ड्राइव पर फिर हो सकता है रोड शो

मुंबई में आयोजित होने वाली यह परेड 2007 और 2024 की यादें ताजा कर सकती है। नरीमन

पॉइंट से लेकर वानखेड़े स्टेडियम तक ओपन-बस में खिलाड़ियों का रोड शो निकाला जा सकता है। पिछली बार मरीन ड्राइव पर उमड़ी भारी भीड़ जैसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए, इस बार मुंबई पुलिस और प्रशासन क्राउड मैनेजमेंट के लिए विशेष सुरक्षा योजना तैयार कर रहे हैं ताकि फैंस सुरक्षित तरीके से जश्न मना सकें।

वानखेड़े स्टेडियम में होगा भव्य सम्मान समारोह

परेड का समापन वानखेड़े स्टेडियम में होने की उम्मीद है, जहाँ एक भव्य समारोह आयोजित किया जा सकता है। इस दौरान बीसीसीआई पूरी टीम को इनामी राशि का चेक सौंपेगी और फैंस अपने चहेते सितारों को करीब से देख सकेंगे। विक्ट्री परेड की संभावित तारीख 11 या 12 मार्च के आसपास बताई जा रही है, क्योंकि खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ समय बिताने के बाद इस राष्ट्रीय उत्सव का हिस्सा बनेंगे।

संजू सैमसन का केरल में ऐतिहासिक स्वागत

इस बीच, टूर्नामेंट के हीरो संजू सैमसन का उनके गृह राज्य केरल में पहले ही ऐतिहासिक स्वागत हो चुका है। केरल सरकार ने संजू के सम्मान में विशेष समारोह की योजना बनाई है। वहीं, बीसीसीआई सचिव जय शाह और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान टेकरी मंदिर में दर्शन कर जीत का आशीर्वाद भी लिया है। जैसे ही बीसीसीआई इस परेड के आधिकारिक रूट और समय की पुष्टि करेगा, देश के विभिन्न हिस्सों से फैंस मुंबई पहुंचने की तैयारी शुरू कर देंगे।

मुंबई में ओला, उबर और रैपिडो के अस्थायी लाइसेंस रद्द, अवैध बाइक टैक्सी पर कसी नकेल...

मुंबई : मुंबई और उसके आसपास इलाकों में अवैध बाइक टैक्सी सेवाओं पर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है. नियमों का उल्लंघन करने वाली कंपनियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधान परिषद में यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि संबंधित कंपनियों के अस्थायी लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं. सरनाईक ने यह घोषणा विधान परिषद में ए. सुनील शिंदे द्वारा उठाए गए एक सुझाव का जवाब देते हुए की.

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने जानकारी दी कि 'महाराष्ट्र ई-बाइक-टैक्सी नियम, 2024' के अनुसार, बाइक टैक्सी सेवाओं का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होना अनिवार्य है. साथ ही, आवेदक कंपनियों को इन सभी शर्तों और मानदंडों को पूरा करने के लिए एक निश्चित समय सीमा दी गई थी. इस प्रक्रिया के अनुसार उबर, रैपिडो और ओला को मुंबई महानगरीय क्षेत्र में 30 दिनों के लिए अस्थायी लाइसेंस दिए गए थे. इस अवधि के दौरान, उनसे सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करके अंतिम लाइसेंस प्राप्त करने को कहा गया था.

परिवहन मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि कुछ स्थानों पर बाइक टैक्सी चालकों की वजह से दुर्घटनाएं हुई हैं और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी शिकायतें प्राप्त हुई हैं. इसी पृष्ठभूमि में, परिवहन विभाग ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी किए हैं और कुछ मामलों में पुलिस स्टेशन में केस भी दर्ज किए गए हैं. साथ ही, इस दौरान राज्य भर के क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों को अवैध बाइक टैक्सी वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं.

सरनाईक ने यह भी जानकारी दी कि अप्रैल 2024 से अब तक 130 दोपहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और 33 लाख रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूला गया है. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि राज्य में बाइक टैक्सी सेवाएं केवल नियमों के अनुसार और पूर्ण सुरक्षा आश्वासन के साथ ही चलें, और नियमों के उल्लंघन को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. महाराष्ट्र में केंद्र सरकार के 'मोटर व्हीकल एग्रीगेटर दिशानिर्देश 2020' के आधार पर ई-बाइक (दोपहिया) टैक्सी परिवहन प्रणाली के लिए एक अलग नीति तैयार की गई है. इस नीति को 7 अगस्त, 2024 को राज्य कैबिनेट ने मंजूरी दी थी. इसके तहत राज्य के उन शहरों में ई-बाइक टैक्सी सेवा शुरू करने का निर्णय लिया गया था, जिनकी जनसंख्या एक लाख से अधिक है.

मुंबई : अप्रैल में निकलेगी म्हाडा के २,५०० घरों की लॉटरी

मुंबई : आम लोगों को सस्ते घर देने वाली म्हाडा की मुंबई बोर्ड ने २,५०० घरों के लिए लॉटरी निकालने की तैयारी पूरी कर ली है। लॉटरी के लिए विज्ञापन इस महीने के आखिर तक प्रकाशित किया जाएगा। मुंबई के विभिन्न इलाकों के घर इस लॉटरी में शामिल हैं। आवेदकों की लॉटरी अप्रैल में निकाली जाएगी।

मुंबई में सभी का सपना अपना घर होता है। आसमान छूती घरों की कीमत से लोगों के पसीने छूट रहे हैं। इसी चलते लोगों का झुकाव म्हाडा के घरों की ओर होता है, जिसकी लॉटरी का इंतजार लोग करते रहते हैं। अप्रैल के महीने में २५०० विविध श्रेणी के घरों के साथ म्हाडा लॉटरी लेकर आ रहा है। मुंबई बोर्ड सभी श्रेणी के करीब ५,००० घरों के लिए लॉटरी निकालने की तैयारी में था। इसके मुताबिक, अलग-अलग इनकम ग्रुप के करीब २,५०० घरों के लिए लॉटरी का विज्ञापन इसी महीने के अंत में आयेगा। लॉटरी का विज्ञापन प्रकाशित होने के बाद एप्लीकेशन भरने के लिए एक महीने का समय दिया जाएगा। बोर्ड अप्रैल के आखिर तक मिले एप्लीकेशन की लॉटरी निकालने का प्लान बनाया है। इस लॉटरी में मागठाणे, प्रतीक्षा नगर, विक्रोली और मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में स्थित घर शामिल हैं।

म्हाडा मुंबई बोर्ड के मुख्य अधिकारी मिलिंद बोरिकर ने बताया कि इस बार पात्रा चॉल के घर पूरी तरह बनकर तैयार नहीं है जिसके चलते इस लॉटरी में उन घरों को शामिल नहीं किया गया है।

अंबरनाथ : एमआईडीसी में आग की घटना... दमकल ने पाया काबू

अंबरनाथ : ठाणे जिले के अंबरनाथ में स्थित आनंदनगर एमआईडीसी में स्थित तीन केमिकल कंपनियों में सोमवार को दोपहर में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम कर रहे हैं। अभी तक इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है।

अंबरनाथ पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि आज दोपहर में आनंदनगर एमआईडीसी में स्थित गणेश केमिकल नामक कंपनी में आग लग गई थी। इसके बाद आग ने पास की मिरेकल केबल और क्लाउड नाइन नामक दो कंपनियों को भी अपने घेरे में लिया। आग की भनक लगते ही दिन होने की वजह से कंपनी में काम करने वाले भाग कर सुरक्षित बाहर निकल गए थे। इस घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं और आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। अभी तक इस घटना में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

मुंबई : पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को मुंबई में ही उनका हक का घर मिलना चाहिए - आदित्य ठाकरे

मुंबई : मुंबई की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाले पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को मुंबई में ही उनका हक का घर मिलना चाहिए। इस मांग को लेकर शिवसेना नेता और युवासेनाप्रमुख आदित्य ठाकरे ने राज्य सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने साफ कहा है कि पुलिस परिवारों पर लगाया गया दंडात्मक शुल्क भी तुरंत रद्द किया जाए और उनके लिए घर के मुद्दे पर ठोस निर्णय लिया जाए। इस मुद्दे पर गृह विभाग की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक से पहले

आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया पर यह मांग रखते हुए सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि हम अपनी मांगों पर अडिग हैं, अब समिति नहीं बल्कि ठोस पैष्ठसला चाहिए। आदित्य ठाकरे ने कहा कि महाविकास आघाड़ी सरकार के समय यह शुल्क नाममात्र रखा गया था इसलिए उसी नीति को जारी रखते हुए बढ़ाया गया दंड तुरंत रद्द किया जाना चाहिए।

उन्होंने उक्त कमेटी की बैठक का स्वागत करते हुए कहा कि चलो यह मामला एक कदम आगे तो बढ़ा, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि जब तक पुलिस परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

चलती ट्रेन में श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य वादी आशुतोष ब्रह्मचारी पर जानलेवा हमला

प्रयागराज (एजेंसी) । चलती ट्रेन में श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रकरण के मुख्य वादी आशुतोष ब्रह्मचारी पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। प्रयागराज जीआरपी ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस का कहना है कि आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान सिराथू रेलवे स्टेशन के पास अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमलावरों ने उनकी नाक पर वार करने की कोशिश की, जिससे उन्हें कई जगह गहरे घाव आए। आरोप है कि हमले के दौरान अपनी जान बचाने के लिए आशुतोष ब्रह्मचारी ट्रेन के बाथरूम में बंद हो गए, जिससे उनकी जान बच सकी। घटना के बाद उन्होंने प्रयागराज पहुंचकर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने में लिखित तहरीर दी है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने अपनी तहरीर में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानन्द समेत कुछ अन्य लोगों पर साजिश के तहत उनकी नाक काटने की योजना बनाने का आरोप लगाया है। इस मामले में जीआरपी ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में जीआरपी प्रयागराज के पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा ने रविवार को बताया कि घटना की सूचना प्राप्त हुई है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि ट्रेन और संबंधित स्थानों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

झांसी : गौवंश संरक्षण और महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल बनी गुलारा की गौशाला

आजीविका मिशन की मदद से गाय के गोबर से प्राकृतिक पेंट बना रही 52 समूहों की 500 से अधिक महिलाएं

झांसी, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महिला सशक्तिकरण और गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। झांसी के चिरगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत गुलारा की गौशाला और यहां स्थापित गाय के गोबर से पेंट बनाने का प्लांट एक अनूठा उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां के गौशाला में एक ओर जहां निराश्रित गौवंशों को संरक्षण दिया जाता है तो दूसरी ओर गाय के गोबर से पेंट बनाकर महिलाएं उद्यमिता और आजीविका की राह दिखा रही हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 52 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की 500 से अधिक महिलाओं की गठित गोवर्धन प्रेरणा महिला लघु उद्योग समिति ने खादी प्राकृतिक पेंट प्लांट की

शुरूआत पिछले वर्ष 2025 में की है। समूह की महिला सदस्यों को आत्मनिर्भर बनाते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित इस प्लांट को संचालित करने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। खादी इंडिया के जयपुर स्थित कुमारप्पा इंस्टिट्यूट में महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाया गया है। यह अनूठा प्रयास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। गाय के गोबर से बने प्राकृतिक पेंट पर्यावरण के अनुकूल माने जाते हैं और बाजार में इसकी मांग बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकारी भवनों की दीवारों को गाय के गोबर के पेंट से रंगने के निर्देश कई बार दे चुके हैं। प्लांट और गौशाला के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी महिलाएं संभालती हैं। उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन और डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स नाम की गैर सरकारी संस्था ने महिलाओं को यूनिट की स्थापना के काम में तकनीकी और आर्थिक सहायता प्रदान की है। गोवर्धन प्रेरणा महिला लघु उद्योग समिति की सचिव दमयंती राजपूत ने बताया कि इस प्लांट में एक दिन में लगभग एक हजार लीटर तक पेंट तैयार कर लिया जाता है। गाय के गोबर से तैयार पेंट की काफी डिमांड है और कंपनी थोक के रेट में यहां से पेंट खरीद कर ले जाती है। यहां तैयार पेंट की बिक्री आसानी से हो जाती है। यहां सभी जिम्मेदारी महिलाएं ही संभालती हैं और आजीविका मिशन के माध्यम से मदद प्रदान की जाती है।

ऑटो सवार युवक से लूट करने वाले तीन बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

कानपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कानपुर में नवाबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। घटना में पुलिस ने दो बदमाशों के पैर में गोली मारकर घायल कर दिया, जबकि तीसरे को दौड़ाकर दबोच लिया। इन बदमाशों ने गंगा बैराज पर ऑटो सवार युवक से दो लाख सत्तर हजार रुपये की लूट की थी। घायल बदमाशों को प्राथमिक उपचार के लिए हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां से रविवार को तीनों को जेल भेजा जाएगा। पुलिस उपायुक्त मध्य अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मूल रूप से जहानाबाद के खजुरिया गांव और वर्तमान में साकेत नगर में रहने वाले पीड़ित उमाकांत तिवारी ने बताया कि 2 मार्च को वह बुलेट खरीदने के लिए दो लाख सत्तर हजार रुपये लेकर घर से निकले थे। बुलेट

खरीदने के लिए वह बड़ा चौराहा से ऑटो में बैठे थे। ऑटो में चालक के साथ दो युवक पहले से बैठे थे। किसी बहाने दोनों युवक किनारे बैठ गए और उन्हें बीच में बैठा दिया। इसके बाद ऑटो चालक बहाने से गंगा बैराज और एनआरआई सिटी के गेट नंबर-2 के पास सुनसान इलाके में पहुंच गया। इसके बाद ऑटो चालक और उसके दोनों साथियों ने मारपीट करने के बाद दो लाख सत्तर हजार रुपये नकद, कपड़े और मोबाइल समेत अन्य सामान लूट लिया और जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। उमाकांत ने राहगीरों की सहायता से पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची नवाबगंज थाने की पुलिस ने लूट की रिपोर्ट दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की। डीसीपी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर शनिवार देर रात पुलिस फोर्स ने ख्योरा कटरी में लुटेरों की घेराबंदी की तो शातिरों ने सीधे पुलिस पर फायर झोंक दिया।

बुंदेलखंड में पहली बार पर्यटन हितधारक सम्मेलन आयोजित, पर्यटन संभावनाओं पर शुरू हुआ मंथन

झांसी, (एजेंसी) । भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश पर्यटन के सहयोग से 07 से 09 मार्च तक झांसी एवं आसपास के पर्यटन स्थलों में बुंदेलखंड पर्यटन हितधारक सम्मेलन तथा फेमिलराइजेशन (फैम) टूर का आयोजन किया गया है। सम्मेलन का आयोजन नटराज सरोवर पोर्टिको झांसी में बीते कल देरशाम शुरू हुआ, जिसमें लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देर शाम शुरू हुए सम्मेलन में टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंट, टूर गाइड, होटल व्यवसायी, होमस्टे संचालक, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि तथा पर्यटन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश पर्यटन, राज्य पुरातत्व विभाग और झांसी संग्रहालय के अधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य बुंदेलखंड क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं को उजागर करना और पर्यटन हितधारकों व सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। वहीं उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी डी.के. शर्मा ने क्षेत्रीय आर्थिक विकास में पर्यटन की भूमिका पर प्रकाश डाला। बुंदेलखंड ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिरुद्ध रावत ने बुंदेलखंड को प्रमुख पर्यटन सर्किट के रूप मं विकसित करने की संभावनाओं पर अपने विचार रखे। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान के विभागाध्यक्ष व डीन प्रो. देवेश निगम ने पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकास और अकादमिक सहयोग के

महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन मंत्रालय के संयुक्त महानिदेशक एवं क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) अरुण श्रीवास्तव ने मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और पहलों की जानकारी देते हुए पर्यटन को सतत और समावेशी बनाने पर जोर दिया। इस दौरान टूरिस्ट इंफॉर्मेशन ऑफिसर अवनीश कुमार ने मंत्रालय के पोर्टल पर सेवा प्रदाताओं के पंजीकरण की प्रक्रिया पर प्रस्तुति दी और हितधारकों को इसमें जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समापन टूरिस्ट इंफॉर्मेशन ऑफिसर संजय कुमार के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके बाद बी2बी नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन हितधारकों और अधिकारियों ने संभावित सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। सम्मेलन के अंतर्गत तीन दिवसीय फेम टूर भी आयोजित किया गया, जिसके तहत प्रतिभागियों को झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और विरासत स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा, ताकि इन पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा सके।

राष्ट्रपति कार्यालय से तय हुआ द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम

लखनऊ (एजेंसी) । राम मंदिर निर्माण से जुड़ी भवन निर्माण समिति की बैठक रविवार को भी जारी है। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मीडिया को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदी नव वर्ष के अवसर पर 19 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अयोध्या दौरा प्रस्तावित है। राष्ट्रपति कार्यालय से कार्यक्रम को लेकर सहमति मिल चुकी है। राष्ट्रपति लगभग चार घंटे तक राम जन्मभूमि परिसर में रहेंगी। इस दौरान मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार राम मंदिर निर्माण का कार्य करीब पांच वर्षों में पूरा हुआ है। निर्माण से जुड़ी प्रमुख संस्थाओं एलएंडटी और टीसीएस को 15 मई तक औपचारिक रूप से अवमुक्त किया जाएगा। मंदिर परिसर में गैलरी का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें मंदिर निर्माण की पूरी यात्रा को दर्शाया जाएगा। इस तकनीक पर रविवार को हो रही बैठक में चर्चा होगी। सुरक्षा के लिए करीब चार किलोमीटर लंबी अत्याधुनिक बाउंड्री वॉल का निर्माण इंजीनियर्स इंडिया की ओर से कराया जा रहा है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद उप मंदिरों में शुरू हो जाएंगे दर्शन राम मंदिर परिसर में चल रही भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक का शनिवार को दूसरा दिन रहा। बैठक से पहले समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने मीडिया को कई अहम जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि बैठक में मुख्य रूप से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित अयोध्या दौरे और कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति 19 मार्च को सुबह करीब 11 बजे राम मंदिर परिसर पहुंचेंगी और लगभग चार घंटे तक वहीं रहेंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर की व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह खोल दी जाएंगी। इसके बाद प्रतिदिन लगभग पांच हजार श्रद्धालु पास के आधार पर परकोटा सहित परिसर के सभी मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान श्रद्धालु राम लला के दर्शन नहीं कर सकेंगे। कार्यक्रम को लेकर मंदिर परिसर का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष योजना बनाई जा रही है। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि राम मंदिर का अधिकांश निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब केवल दो प्रमुख कार्य शेष हैं, जिनमें

हुतात्मा स्मारक और अस्थायी मंदिर का निर्माण शामिल है। उन्होंने यह भी बताया कि रामलला के सूर्य तिलक की परंपरा को बनाए रखने के लिए सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट और ऑप्टिका के साथ 10 वर्षों का अनुबंध किया गया है।

'नसीब अपना अपना' की टेढ़ी चोटी वाली चंदो याद है? 40 साल में पूरी तरह बदल चुका है लुक, बॉस लेडी बन फैंस को किया हैरान...

ऋषि कपूर ने 1973 में फिल्म 'बॉबी' से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें उनके साथ डिंपल कपाड़िया लीड रोल में थीं। इसके बाद ऋषि कपूर ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दीं। उनकी यादगार फिल्मों की बात करें तो 'नसीब अपना अपना' का नाम जरूर लिया जाता है, जो 1986 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में राधिका सरथकुमार, ऋषि कपूर के साथ लीड रोल में नजर आई थीं और अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में राधिका सरथकुमार ने ऋषि कपूर की पत्नी चंदो का किरदार निभाया था। एक सांवली सूरत और टेढ़ी चोटी वाली सीधी-सादी लड़की, जिसे देखकर ऋषि कपूर का किरदार पहले ही पल में नाखुश हो जाता है। इस फिल्म को रिलीज हुए 40 साल हो चुके हैं और इस बीच राधिका एक बार फिर सुर्खियों में हैं और इस बार उनका बदला लुक लोगों को हैरान कर रहा है।

राधिका सरथकुमार इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें अभिनेत्री का लुक दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने के लिए मजबूर कर रहा है। राधिका सरथकुमार आज भी बड़े पर्दे पर राज कर रही हैं और अपनी लेटेस्ट

फिल्म 'थाई किझावी' को लेकर चर्चा में हैं, जो बड़े पर्दे पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में अभिनेत्री ने ऐसा लुक धरा है, जिसमें उन्हें पहचान पाना बेहद मुश्किल है और इसी के साथ एक बात और साबित होती है कि 63 साल की उम्र में भी राधिका सरथकुमार फुली एक्टिव हैं और फैंस का खुद के दम पर मनोरंजन कर रही हैं।

राधिका सरथकुमार ने 40 साल पहले ऋषि कपूर स्टारर 'नसीब अपना अपना' से दर्शकों के दिल जीते थे। उनके अंदाज को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। अब राधिका लेटेस्ट फिल्म 'थाई किझावी' रिलीज हो चुकी है। फिल्म में उन्होंनेएक खडूस और तेज-तर्रार महिला के किरदार में हैं। उनका ये किरदार और लुक उनकी अब तक रिलीज हुई सभी फिल्मों में निभाए किरदारों से अलग है। नाक में दो नोजपिन, कानों में झुमके और दंबग स्टाइल, फैंस को उनकी अदाकारी भा गई है। राधिका सरथकुमार की हालिया रिलीज फिल्म की बात करें तो ये एक तमिल ड्रामा फिल्म है। फिल्म में उन्होंने पावुनुथाई नाम की दबंग महिला का किरदार निभाया है। ऐसी महिला जो तेज तर्रार, स्वतंत्र और दबंग है। फिल्म में सत्ता और प्राचीन परंपराओं के नाम पर आम और गरीब लोगों के होने वाले दमन को दिखाया गया है। ये फिल्म कॉमेडी के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी देती है और नौ करोड़ के बजट में बनी फिल्म 6 दिनों में ही 21 करोड़ का आकंड़ा पार चुकी है।

रजनीकांत की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उड़ाएगी गर्दा, ओपनिंग डे पर होगा ये बड़ा कमाल...

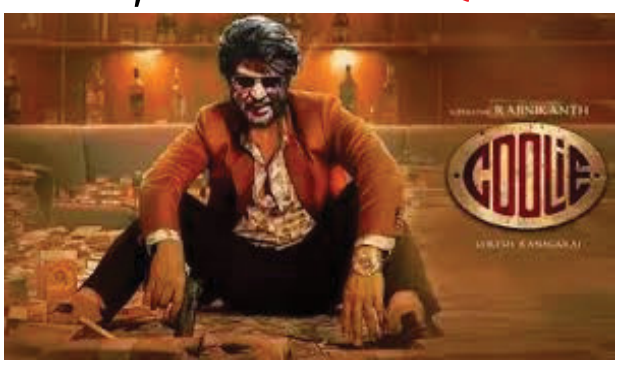

सुपरस्टार रजनीकांत को पिछले साल फिल्म कुली में देखा गया था. इस फिल्म ने खास कमाल नहीं किया था. लेकिन अब रजनीकांत जेलर 2 लेकर आ रहे हैं. जेलर 2 को लेकर फैंस के बीच एक्साइटेमेंट देखने को मिल रही है. फिल्म अभी प्रोडक्शन में हैं और इसी साल रिलीज होने वाली है. इस फिल्म से रजनीकांत ओपनिंग डे पर धमाल मचाने वाले हैं.

कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, ये भी खबरें हैं कि फिल्म में मोहनलाल, शाहरुख खान जैसे एक्टर्स कैमियो कर सकते हैं. इससे फिल्म को और हाइप मिल रहा है. रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म को तमिल सिनेमा की बिगेस्ट ओपनिंग मिल सकती है. फिलहाल कुली के पास ये रिकॉर्ड है. कुली ने ओपनिंग डे पर 65 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था. वहीं जेलर के कुली को ओवरटेक करने की खबरें हैं. रिपोर्ट्स हैं कि फिल्म 70 करोड़ की ओपनिंग कर सकती है.

अगर ऐसा हुआ तो रजनीकांत लगातार दूसरे साल कॉलीवुड की बड़ी ओपनर देंगे. 2025 में कुली ने ओपनिंग डे चार्ट को डोमिनेट किया था और अब 2026 में जेलर 2 के ऐसा करने की उम्मीदें हैं. फिल्म के ओपनिंग के डे कलेक्शन को लेकर ऑफिशियर अभी कुछ भी सामने नहीं आया है. बता दें कि जेलर 2 को नेल्सन दिलीपकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं. Klaithi Mra फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म का म्यूजिक अनिरुद्ध ने कंपोज किया है. इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, राम्या कृष्णन, योगी बाबू जैसे स्टार्स नजर आएंगे. वहीं शिवा राजकुमार, विजय सेतुपति कैमियो रोल प्ले करते दिखेंगे.

ये फिल्म 2023 में आई फिल्म जेलर का दूसरा पार्ट है. जेलर को भी नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था. जेलर ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. फिल्म को क्रिटिकली भी सराहा गया था. वहीं फिल्म ने दुनियाभर में 600 करोड़ की कमाई की थी. ये ऑल टाइम हाईएस्ट ग्रॉसिंग तमिल फिल्म बन गई थी.

'लव एंड वॉर' को लेकर आया बड़ा अपडेट, स्टारकास्ट के सीन हुए रीशूट, बढ़ गया फिल्म का बजट

फिल्म 'लव एंड वॉर' संजय लीला भंसाली की आने वाली बड़ी फिल्म है. इस फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल एक साथ नजर आने वाले हैं. फैंस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड है और बेसब्री से इसकी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं. वहीं अब फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.

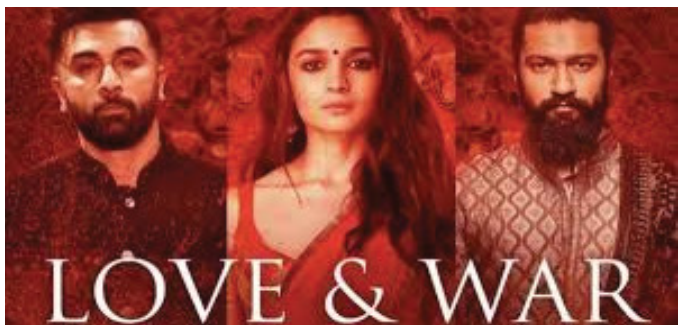

'लव एंड वॉर' को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के कुछ अहम सीन दोबारा शूट किए जा रहे हैं. खबर है कि संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को पहले इसी साल अगस्त में रिलीज करने का प्लान था, लेकिन अब कुछ सीन के रीशूट होने की वजह से इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ सकती है. बताया जा रहा है कि भंसाली अपनी फिल्म में परफेक्शन चाहते हैं, इसलिए कुछ अहम सीन फिर से शूट किए जा रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन सीन के रीशूट की वजह से फिल्म का बजट भी बढ़ गया है. वहीं, लगातार हो रहे इस रीवर्क के कारण फिल्म की रिलीज डेट फिलहाल तय नहीं है.

'लव एंड वॉर' अब संजय लीला भंसाली के सबसे महंगे प्रोजेक्ट्स में से एक बन चुकी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की रिलीज में देरी की एक बड़ी वजह इसका भव्य पैमाना बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि फिल्म में बड़े एरियल एक्शन सीक्वेंस दिखाए जाएंगे, जिन पर वीएफएक्स का काम होना है. इन जटिल सीन को तैयार करने में काफी समय लग सकता है, इसलिए फिल्म की रिलीज आगे खिसकने की संभावना भी जताई जा रही है. इससे पहले एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन के दौरान रणबीर कपूर ने खुद कन्फर्म किया था कि 'लव एंड वॉर' की रिलीज आगे बढ़ गई है. उन्होंने बताया कि यह फिल्म 'रामायण पार्ट 1' के बाद रिलीज होगी, जो अक्टूबर में सिनेमाघरों में आने वाली है.

'अचानक डर लगने लगा...' मिडल ईस्ट तनाव के बीच कुवैत छोड़ते हुए उर्वशी रौतेला हुई इमोशनल, शेयर किया नोट

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला, जो अभी हाल ही में कुवैत में थीं, ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है. इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जब वो इंडिया वापस आ रही थीं, तो उन्हें अचानक डर और बेचैनी महसूस हुई. उर्वशी काफी इमोशनल नजर आईं. उन्होंने फैंस से कहा कि उन्हें अपनी दुआओं में याद रखें और सुरक्षित घर लौटने के लिए प्रार्थना करें.

उर्वशी रौतेला ने कुछ देर पहले इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया. उन्होंने बताया कि जब तक वह प्लेन में बैठीं, उन्हें सब कुछ ठीक लग रहा था. लेकिन जैसे ही वह बैठ गईं, अचानक उन्हें डर लगने लगा. उन्होंने लिखा, 'जब तक मैं प्लेन में बैठी नहीं थी, सब ठीक था॥ लेकिन जैसे ही मैं बैठी, अचानक डर का एहसास हुआ और मेरा दिल तेजी से धड़कने लगा. मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन अचानक बहुत डर लगने लगा.' उर्वशी रौतेला ने आगे लिखा, 'अभी मुझे थोड़ा असुरक्षित और बेचैन महसूस हो रहा है, और मुझे सच में आपकी दुआओं की जरूरत है. कृपया मुझे अपने ख्यालों में रखें ताकि मेरी यात्रा सुरक्षित हो. यह मेरे लिए बहुत मायने रखेगा. अगर यह भावुक लग रहा है या मैंने आपको कोई चिंता दी हो तो माफ कीजिएगा॥ बस मैं यह शेयर करना चाहती थी कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं. आपकी दुआ और सपोर्ट मेरे लिए इस वक्त बहुत जरूरी हैं.'रिपोर्ट्स के मुताबिक, उर्वशी कुवैत किसी प्रोफेशनल काम के लिए गई थीं, तभी मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ गया. वहीं, खबर है कि उर्वशी अब मुंबई सुरक्षित पहुंच चुकी हैं. उन्होंने अपने कार के अंदर से एक वीडियो पोस्ट कर यह कंफर्म किया. बता दें, इससे पहले, ईशा गुप्ता ने भी अपडेट शेयर किया था कि वह 28 फरवरी से अबू धाबी में फंसी हुई थीं और हाल ही में भारत वापस लौटीं.

मुंबई : बीएमसी ने बांद्रा के चिंबई बीच की सफाई के लिए ₹1 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दी

मुंबई : बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमिटी ने बांद्रा में चिंबई बीच के वारिंगपाड़ा हिस्से में सफाई के काम के लिए ₹1 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट को मंजूरी दे दी है। यह कॉन्ट्रैक्ट मेसर्स एमटीएस ब्लू रोडलाइन्स को दिया गया है और यह 730 दिनों तक लागू रहेगा। मंजूर किए गए काम में चिंबई बीच का वारिंगपाड़ा हिस्सा शामिल है, जो लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा और लगभग 25 मीटर चौड़ा है। सिविक अधिकारियों के मुताबिक, इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत बीच के रखरखाव का रोज का खर्च

लगभग ₹13,000 होगा।

चिंबई बीच मुंबई के सात बड़े बीच में से एक है और कभी बहुत ज्यादा प्रदूषण के लिए जाना जाता था। हालांकि, आस-पास के मछली पकड़ने वाले गांव के लोगों का कहना है कि रेगुलर सफाई की कोशिशों और सिविक दखल की वजह से पिछले कुछ सालों में हालात काफी सुधरे हैं। चिंबई रेजिडेंट्स एसोसिएशन की थेल्मा पुजारी, जो गांव के चौथी पीढ़ी के मछली पकड़ने वाले परिवार से हैं,''बीच अब बहुत ज्यादा साफ और बेहतर तरीके से मेंटेन किया गया है।'' हालांकि, उन्होंने बताया कि बीच-क्लीनिंग कॉन्ट्रैक्ट आम तौर पर सिर्फ. नॉन-मॉनसून महीनों में ही लागू किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''सबसे बड़ी दिक्कत मॉनसून के मौसम में होती है, जब समुद्र बहुत सारा कचरा किनारे पर वापस लाता है। तब बीच पर बहुत ज्यादा कचरा जमा हो जाता है, '' उन्होंने पूरे साल लगातार सफाई की कोशिशों की जरूरत पर जोर दिया। सिविक बजट प्रपोजल में बताई गई डिटेल्स के मुताबिक, सफाई के काम में मजदूरों के साथ 240-लीटर के पहिए वाले कूड़ेदान, एक्सकेवेटर-कम-लोडर मशीन और डंपर गाड़ियां जैसे इक्विपमेंट शामिल होंगे।

फर्जी उबर ड्राइवर का मामला, सवाल पूछते ही ड्राइवर हुआ फरार...

मुंबई : एक कैब घटना सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. इस मामले में एक महिला यात्री ने राइड बुक करने के बाद पाया कि कैब और ड्राइवर की जानकारी ऐप में दिख रही डिटेल्स से मेल नहीं खा रही थी. जब उसने ड्राइवर से इस बारे में सवाल किया, तो उसने तुरंत राइड कैंसल कर दी और वहां से चला गया. यह मामला उबर से जुड़ा बताया जा रहा है. इस घटना के सामने आने के बाद कई लोगों ने ऑनलाइन अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी.

इस घटना की जानकारी एक यूजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर की है. उसने बताया कि उसकी एक दोस्त ने हाल ही में अंधेरी से बांद्रा जाने के लिए उबर पर कैब बुक की थी. हालांकि जब कैब मौके पर पहुंची, तो महिला ने देखा कि व्हीकल का नंबर और ड्राइवर की पहचान ऐप में दिख रही जानकारी से मेल नहीं खा रही थी महिला ने सतर्कता दिखाते हुए ड्राइवर से उसका पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा. पोस्ट के अनुसार, जैसे ही महिला ने ड्राइवर से इस गड़बड़ी के बारे में सवाल किया, तो उसने तुरंत राइड कैंसल कर दी और वहां से गाड़ी लेकर चला गया. पोस्ट में यह भी बताया गया कि ड्राइवर की ओर से राइड कैंसल करने के बाद वह ट्रिप ऐप की हिस्ट्री से गायब हो गई. इसके कारण घटना की शिकायत करना मुश्किल हो गया. यूजर ने बताया कि ऐसी स्थिति में मदद के लिए कोई सीधा फोन नंबर भी उपलब्ध नहीं होता, जिससे यात्रियों के लिए शिकायत दर्ज कराना और भी मुश्किल हो जाता है.

मुंबई : किडनैपिंग और बाल मजदूरी के आरोप में तीन लेबर कॉन्ट्रैक्टर गिरफ्तार

मुंबई : डिंडोशी पुलिस ने पिछले हफ़्ते तीन लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ़्तार किया। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक 14 साल के लड़के को मुंबई से राजस्थान ले जाकर काम पर रखा, जबकि उन्हें पता था कि वह नाबालिग है। गिरफ़्तार आरोपियों की पहचान कासिम मुर्शरफअली खान, महेंद्र विष्णु कश्यप और संजय राधेश्याम सचेती के तौर पर हुई है। सभी की उम्र 30 से 35 साल के बीच है। सोशल मीडिया पर झगड़ा पुलिस के मुताबिक, शिकायत करने वाला, जो 38 साल का ड्राइवर है और गोरेगांव में फिल्म सिटी रोड पर अपने परिवार के साथ रहता है, उसने अपने बेटे के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। उसका बेटा क्लास 9 का स्टूडेंट है और 6 दिसंबर को अपने पिता से झगड़े के बाद घर से चला गया था। लड़का सोशल मीडिया पर दोस्तों से चैट कर रहा था, तभी उसके पिता ने उसे डांटा, जिसके बाद वह गुस्से में घर से चला गया और वापस नहीं लौटा। शिकायत दर्ज होने के बाद, पुलिस ने लड़के के नाबालिग

सरकार ने ट्रैफिक और प्रदूषण का हवाला देते हुए नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी करना बंद कर दिया

मुंबई : सरकार ने बड़े शहरों में बढ़ते ट्रैफिक जाम और पर्यावरण की चिंताओं का हवाला देते हुए, राज्य भर में नए ऑटोरिक्शा परमिट जारी करने पर कुछ समय के लिए रोक लगा दी है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर प्रताप सरनाइक ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि राज्य में चलने वाले ऑटोरिक्शा की संख्या पिछले कुछ सालों में काफी बढ़ गई है, जिससे पहले से ही जाम वाली सड़कों पर और दबाव बढ़ गया है। आज तक के मुताबिक, ऑफिशियल डेटा से पता चलता है कि अब तक पूरे महाराष्ट्र में लगभग 1.4 मिलियन ऑटोरिक्शा परमिट जारी किए जा चुके हैं। अधिकारियों ने कहा कि ऑटोरिक्शा की बढ़ती संख्या ने मुंबई, पुणे और नागपुर समेत कई शहरी इलाकों में ट्रैफिक की हालत और खराब कर दी है। सड़कों पर ज्यादा गाड़ियों के होने से, कई इलाकों में ट्रैफिक धीमा हो गया है, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया है।

जाम की वजह से फ्यूल की खपत भी ज्यादा हुई है क्योंकि गाड़ियां ज्यादा देर तक ट्रैफिक में फंसी रहती हैं। अधिकारियों का मानना है कि इससे शहरों के घनी आबादी वाले हिस्सों में एयर पॉल्यूशन का लेवल और बढ़ गया है। सरकार ने कहा कि नए परमिट पर रोक लगाने का फैसला सड़क ट्रैफिक को मैनेज करने और शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव कम करने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। ड्राइवरों ने इनकम को लेकर चिंता जताई मौजूदा ऑटोरिक्शा परमिट होल्डर्स ने भी सिस्टम में आने वाली गाड़ियों की बढ़ती संख्या को लेकर राज्य सरकार से चिंता जताई है। ड्राइवरों ने कहा है कि बढ़ते कॉम्पिटिशन की वजह से वे हर दिन जितने पैसेंजर ले सकते हैं, उनकी संख्या कम हो गई है।

कई ड्राइवरों ने शिकायत की है कि एक ही रूट पर चलने वाले ऑटोरिक्शा की बढ़ती संख्या की वजह से उनकी रोज की कमाई पर असर पड़ा है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार ने नए परमिट जारी करने पर रोक लगाने का फैसला लेने से पहले इन चिंताओं पर विचार किया। परमिट में गड़बड़ियों की जांच राज्य सरकार ने यह भी बताया कि परमिट बांटने के प्रोसेस की जांच में कुछ मामलों में गड़बड़ियां सामने आई हैं। अधिकारियों ने पाया कि कुछ ऑटोरिक्शा परमिट कथित तौर पर गैर-कानूनी बांग्लादेशी नागरिकों को जारी किए गए थे। अधिकारियों ने कहा कि मामले की अभी जांच चल रही है और लागू नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई : दोगुने हुए बेटिकट यात्री, वेस्टर्न रेलवे सख्त, 3.76 करोड़ रुपये जुमार्ना वसूला

मुंबईः मुंबई उपनगरीय रेल नेटवर्क में बिना टिकट और अनियमित यात्रा के खिलाफ पश्चिम रेलवे ने सख्त अभियान चलाया है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच टिकट जांच अभियानों के दौरान मुंबई उपनगरीय खंड में 10 लाख से अधिक मामलों का पता चला, जिनसे लगभग 50 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसी में अगर एसी लोकल की बात करें तो पश्चिम रेलवे की एसी लोकल ट्रेनों में सामान्य टिकट लेकर यात्रा करने वालों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच एसी लोकल में 1.16 लाख से अधिक मामलों में कार्रवाई की गई और 3.76 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 99 प्रतिशत अधिक है।

फरवरी 2026 में ही 87 हजार मामले दर्ज

फरवरी 2026 के दौरान मुंबई उपनगरीय खंड में 87 हजार बिना टिकट या अनियमित यात्रा के मामले सामने आए। इन मामलों से 4.28 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला गया। रेलवे के अनुसार यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इसका उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना और यात्रियों में अनुशासित यात्रा को बढ़ावा देना है। इन अभियानों का मकसद राजस्व हानि को रोकना और यात्रियों में अनुशासित और वैध यात्रा को प्रोत्साहित करना रहा है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 की अवधि में लगभग 30 लाख बिना टिकट और अनियमित यात्रियों का पता लगाया गया। इसमें बिना बुक किए गए सामान के मामले भी शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप 191 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई। जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 42% अधिक है।

मुंबई : भाजपा ने महिला दिवस पर मान्यता दी महिला नगर निगम कर्मचारियों को...

मुंबईः बोरीवली स्थित प्रबोधन ठाकरे हॉल में रविवार को भाजपा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला निगम कर्मचारियों को उनके मेहनत और योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थितियों में अमित सताम, मेयर ऋतु तावड़े, चित्रा वाघ और मनीषा चौधरी शामिल थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी से न केवल नगर निगम के कामकाज में सुधार हुआ है, बल्कि समाज और परिवार में भी महिलाओं की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। बीजेपी नेताओं ने इस अवसर पर महिला कर्मचारियों को उनके समर्पण और मेहनत के लिए प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए। कार्यक्रम में सभी उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और नेताओं के संदेशों को सराहा। अमित सताम ने कहा कि महिला कर्मचारियों का योगदान नगर निगम की सेवा और प्रशासनिक कार्यों में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com